मनेरी नरसंहार

कोर्ट ने माना विरल से विरलतम मामला, न्याय की हुई जीत, हत्यारे हरीश को मिला मृत्युदंड, फैसले के बाद तालियों से गूंज उठा परिसर

6 जिंदगियां लीलने वाले दरिंदे को मिली फांसी की सजा

निवास, नवभारत। बीजाडांडी थाना क्षेत्र के मनेरी में करीब साढ़े पांच साल पहले हुए रोंगटे खड़े कर देने वाले हत्याकांड में न्याय की बड़ी जीत हुई है। गुरुवार 26 फरवरी को निवास के अपर सत्र न्यायाधीश प्रवीण कुमार सिन्हा ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी हरी उर्फ हरीश सोनी को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय ने इस क्रूरतम कृत्य को रेयरेस्ट ऑफ रेयर (विरल से विरलतम) श्रेणी में रखते हुए दोषी को समाज में रहने के अयोग्य माना है।

जानकारी अनुसार घटना 15 जुलाई 2020 की है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। मनेरी निवासी आरोपी हरीश सोनी को इस नरसंहार हत्या के लिए पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसके भाई संतोष सोनी जो कि पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है उसने अपने ही सगे संबंधियों पर कुल्हाड़ी और तलवार से खूनी तांडव मचाया था। बताया गया कि विवाद की जड़ प्रधानमंत्री आवास का कैंसिल होना और पारिवारिक रंजिश थी। आरोपियों को शक था कि उनके भाई और उप-सरपंच विनोद सोनी व राजेंद्र सोनी ने उनका आवास निरस्त कराया है। इसी प्रतिशोध की आग में जलते हुए दोनों भाइयों ने नरसंहार को अंजाम दिया।

पहले चित्र में पीड़ित परिजन का परिवार एवं दूसरे चित्र में हत्यारा हरीश सोनी

6 को उतारा था मौत के घाट

बताया गया कि फरियादी संतोष उर्फ गुड्डा सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने सबसे पहले राजेंद्र (रज्जन) सोनी और उनकी बेटी रानू पर हमला किया। हमला इतना बर्बर था कि दोनों की गर्दन और सिर पर गहरे घाव थे और लाशों पर मिर्ची पाउडर छिड़का गया था। इसके बाद दरिंदों ने छोटे भाई विनोद सोनी जो उप-सरपंच थे उनकी हत्या की। इसके साथ बाद मासूम बच्चें जिसमें ओम सोनी 8 वर्ष और श्रीयांश सोनी 6 वर्ष को भी नहीं बख्शा और उन्हें मौत के घाट उतार दिया। इसके साथ ही राजेंद्र सोनी के समधी दिनेश सोनी की भी हत्या कर दी। बताया गया कि बीच-बचाव करने आए नितिन सोनी, प्रमोद सोनी, रिंकी सोनी, सानू तिवारी और सुनील तिवारी को गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

एक आरोपी की एनकाउंटर में मौत

घटना के वक्त आरोपी हाथ में नंगी तलवार और कुल्हाड़ी लेकर गांव में खुलेआम घूम रहे थे। सूचना मिलते ही बीजाडांडी, निवास और टिकरिया थाने का बल मौके पर पहुंचा। जब पुलिस ने इन्हें पकड़ने की कोशिश की, तो आरोपियों ने पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोलियां चलाईं, जिसमें एक आरोपी संतोष सोनी मौके पर ही मारा गया, जबकि हरीश सोनी के पैर में गोली लगी और उसे काबू में किया गया।

न्यायालय का सख्त फैसला

न्यायाधीश प्रवीण कुमार सिन्हा ने अभियोजन पक्ष के तर्कों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी हरीश सोनी को विभिन्न धाराओं में सजा सुनाई। प्रत्येक हत्या के लिए मृत्युदंड और और तीन हजार रुपये अर्थदंड। पांच हत्या के प्रयास में 5 बार आजीवन कारावास और 2500 रुपये अर्थदंड। इसके साथ ही 10 वर्ष सश्रम कारावास और 500 रुपये अर्थदंड। आर्म्स एक्ट के तहत 2 वर्ष कारावास और 1000 रुपये अर्थदंड। कुल मिलाकर आरोपी पर 7000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जैसे ही यह खबर फैली कि आज फैसले का दिन है, न्यायालय परिसर छावनी में तब्दील हो गया। बड़ी संख्या में मृतकों के परिजन और ग्रामीण कोर्ट पहुंचे। आरोपी को देखते ही परिजन रोने-बिलखने लगे और बार-बार पूछते रहे कि आखिर उन मासूम बच्चों का क्या कसूर था। जैसे ही न्यायाधीश ने सजा-ए-मौत का ऐलान किया, पूरा न्यायालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। लोगों ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए न्यायपालिका के प्रति आभार व्यक्त किया।

अब मिलेगी आत्मा को शांति

मृतक परिवार के सदस्यों ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वे इस फैसले से पूरी तरह संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि साढ़े पांच साल से हम न्याय का इंतजार कर रहे थे। आज हमारे अपनों और उन दो मासूम बच्चों की आत्मा को शांति मिलेगी। हालांकि उन्होंने प्रशासन से यह भी मांग की कि सजा के क्रियान्वयन में देरी न की जाए और दरिंदे को जल्द से जल्द फांसी पर लटकाया जाए।

पुलिस प्रशासन रहा सतर्क

फैसले के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। जिला पुलिस लाइन की विशेष गार्ड और निवास थाना प्रभारी गोपाल घासले के नेतृत्व में पुलिस बल मुस्तैद रहा। अभियोजन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी उज्ज्वला उईके ने मामले की पैरवी की। इस सनसनीखेज मामले को सुलझाने और सजा दिलाने में तत्कालीन थाना प्रभारी सुदर्शन टोप्पो, एसएस उसराठे, उप निरीक्षक पंकज विश्वकर्मा, शशांक शुक्ला और आरक्षक रोशनलाल सिंगरौरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अंजनियां में शैक्षणिक अव्यवस्थाओं के खिलाफ हुंकार

अभाविप ने घेराव कर जड़ा ताला, कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

अंजनियां। क्षेत्र की शैक्षणिक अव्यवस्थाओं और बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर बीते बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) इकाई अंजनियाँ ने उग्र प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने रैली निकाल कर तहसील कार्यालय का घेराव किया और प्रतीकात्मक रूप से ताला जड़कर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई।

परिषद के कार्यकर्ता सुबह 11 बजे शासकीय महाविद्यालय परिसर में एकत्रित हुए। प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा महाविद्यालय के नए भवन निर्माण में हो रही अत्यधिक देरी रहा। ज्ञापन में बताया गया कि भवन अधूरा होने के कारण छात्र-छात्राओं को भारी असुविधा हो रही है। प्रदर्शन के दौरान निर्माण ठेकेदार भी मौके पर मौजूद रहे, जिन्होंने आगामी अप्रैल माह तक भवन हैंडओवर करने का लिखित आश्वासन दिया है।

सीएम राइज स्कूल पर भ्रष्टाचार के आरोप

अभाविप ने अंजनियाँ स्थित सीएम राइज विद्यालय के निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। परिषद का कहना है कि निर्माणाधीन भवन की दीवारों में अभी से दरारें आने लगी हैं, जो घटिया निर्माण सामग्री की ओर इशारा करती हैं। कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच की जाए। दोषी ठेकेदार पर कठोर कार्रवाई हो। गुणवत्ता परीक्षण करने वाले इंजीनियरों एवं तकनीकी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। विद्यार्थी परिषद ने अपनी मांगों के दायरे को बढ़ाते हुए प्रशासन के सम्मुख कुछ बिंदु और भी रखे। जिसमें नवीन महा विद्यालय से मुख्य सड़क तक डब्ल्यूबीएम सड़क का निर्माण किया जाए। कॉलेज परिसर में बाउंड्री वॉल और सांस्कृतिक मंच का निर्माण हो। निजी शिक्षण संस्थानों में फायर एनओसी की जांच की जाए और अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों पर नकेल कसी जाए।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

एबीवीपी पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा मामला है। यदि प्रशासन ने समय रहते इन समस्याओं का निराकरण नहीं किया, तो आगामी समय में आंदोलन को और अधिक उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

3 मार्च को भारत में दिखाई देगा खण्डग्रास चंद्र ग्रहण

ग्रहण के कारण बदला होली का गणित, 2 मार्च को होगा होलिका दहन, 4 को मनेगी धुलेंड़ी

अंजनिया। आगामी 3 मार्च फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को आकाश में खण्डग्रास चंद्र ग्रहण की खगोलीय घटना घटित होने जा रही है। वरदान आश्रम अंजनिया नीलू महाराज ने बताया कि यह ग्रहण सिंह राशि में लगेगा। विशेष बात यह है कि यह ग्रहण भारत में दृश्य होगा, जिसके कारण इसका धार्मिक व शास्त्रीय महत्व बढ़ गया है।

नीलू महाराज ने बताया कि ग्रहण का सूतक सुबह 9 बजकर 14 मिनट से शुरू हो जाएगा। शास्त्रों के अनुसार सूतक काल से लेकर ग्रहण के मोक्ष तक मूर्ति स्पर्श, शयन और भोजन करना वर्जित माना गया है। यह ग्रहण कुल 48 मिनट की अवधि का होगा। जिसकी शुरूआत सायंकाल 6.14 बजे से होगी और ग्रहण का मध्य सायंकाल 6.39 बजे होगा, इसके बाद ग्रहण का मोक्ष समाप्ति रात्रि 7.02 बजे होगा।

सिंह राशि वालों को विशेष सावधानी की जरूरत- ज्योतिषीय गणना के अनुसार पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र और सिंह राशि में होने के कारण यह ग्रहण सिंह राशि के जातकों के लिए विशेष अनिष्टकारी हो सकता है। इसके साथ ही अशुभ फल मेष, वृष, कर्क, कन्या, धनु, मकर और कुंभ राशि पर रहेगा। वही इस ग्रहण का शुभ फल मिथुन, तुला, वृश्चिक और मीन राशि को मिलेगा।

ग्रहण का होली पर प्रभाव- चंद्र ग्रहण के कारण इस वर्ष होली के त्यौहार की तिथियों में बदलाव हुआ है। नीलू महाराज ने बताया कि पूर्णिमा पूजन, होली पूजन और होलिका दहन 2 मार्च सोमवार को संपन्न होगा। 3 मार्च को ग्रहण के कारण धुलेंडी नहीं मनाई जाएगी। अब धुलेंडी का पर्व 4 मार्च बुधवार को उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा।

होली पर हुड़दंग करने वालों की खैर नहीं, पुलिस की रहेगी पैनी नजर

बिछिया एवं नारायण गंज थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक में लिया गया निर्णय, कहा-होली, ईद और रामनवमी पर नहीं बिगड़े शांति व्यवस्था

भुआ बिछिया। आगामी होली पर्व को हर्षोल्लास और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना बिछिया प्रांगण में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन, पुलिस विभाग के अधिकारियों सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की। बैठक के दौरान तहसीलदार शंकर सिंह मरावी और थाना प्रभारी निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम ने उपस्थित जनों से होली का पर्व आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी पर भी जबरन रंग न डाला जाए और धार्मिक भावनाओं का पूर्ण सम्मान हो। डीजे और लाउडस्पीकर का प्रयोग निर्धारित नियमों के तहत ही किया जाए। नशे की हालत में हुड़दंग करने वालों और शांति भंग करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने में नागरिक प्रशासन का सहयोग करें।

सोशल मीडिया पर रहेगी निगरानी-प्रशासन ने विशेष रूप से सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्तिजनक सामग्री या अफवाह न फैलाने की हिदायत दी है। नागरिकों से कहा गया है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। बैठक में नगर परिषद बिछिया के कार्यालय प्रभारी मनोज निगम, श्री राम मंदिर समिति अध्यक्ष रत्नेश यादव, पत्रकार शोभित सानू रावत, समाजसेवी सोनल अग्रवाल सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक और थाने का समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। उपस्थित नागरिकों ने प्रशासन को विश्वास दिलाया कि रंगों का यह त्योहार पूरी मर्यादा और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा।

टिकरिया थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित

नारायणगंज। आगामी मार्च माह में आने वाले प्रमुख त्यौहारों के मद्देनजर गुरुवार दोपहर नारायणगंज के थाना टिकरिया में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में तहसीलदार एवं थाना प्रभारी ने क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर शांति व कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने को कार्ययोजना साझा की। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि मार्च माह में होली, रंगपंचमी, ईद और रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार पड़ रहे हैं। इन अवसरों पर जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना सबकी साझा जिम्मेदारी है। प्रशासन ने अपील की कि सभी त्यौहारों को आपसी भाईचारे और परंपरागत रूप से मनाया जाए। एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें और त्यौहार के उत्साह में किसी की भावनाओं को ठेस न पहुँचाएँ। नगर में

सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहे, इसके लिए पुलिस बल तैनात रहेगा।

डीजे के प्रयोग पर विशेष हिदायत- थाना प्रभारी प्रदीप पांडेय एवं तहसीलदार ने सख्त लहजे में कहा कि कार्यक्रमों के दौरान डीजे के उपयोग पर विशेष सावधानी बरती जाए। ध्वनि प्रदूषण और उससे होने वाले दुष्प्रभावों को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार ही संचालन करें। नियमों का उल्लंघन करने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपस्थित सदस्यों के सुझावों और समस्याओं को सुनकर संबंधित कर्मचारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए गए। बैठक में मागन लाला सोनी, रतन ठाकुर, अविनाश शर्मा, दीपक सोनी, गया चक्रवर्ती, सुरेंद्र सोनी, सूरज सोनी, राजेश सोनी, बेनीलाल सिंगरौरे, गुड्डू भाईजान सहित विभिन्न पंचायतों के सरपंच-सचिव उपस्थित रहे। पुलिस विभाग से एसआई नारायण तराम, अभिषेक मिश्रा एवं अन्य स्टाफ ने भी व्यवस्थाओं को लेकर अपनी बात रखी।

बीमा क्लेम दिलाने के नाम पर 5 .44 लाख ठगे

हादसे में पैर गंवाने के बाद धोखाधड़ी का शिकार हुआ पीड़ित

जबलपुर। रांझी में एक दिव्यांग को हादसे में पैर गंवाने के बाद बीमा क्लेम दिलाने का झांसा देकर 5 लाख 44 हजार रूपए की चपत लगा दी गई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है ।

पुलिस ने बताया कि अनुप विहार, गौर तिलहरी निवासी 49 वर्षीय चैतन्य चोपड़ा चिकन की दुकान चलाता हैं, वर्ष 2025 में एक ट्रक दुर्घटना में उसने अपने दोनों पैर गंवा दिए थे। अमित कुमार लंब ने गुमराह किया। अवीवा इंश्योरेंस कंपनी से 50 लाख का टर्म लाइफ इंश्योरेंस था, जो केवल मृत्यु पर लाभ देता था। इसके बावजूद अमित ने दावा किया कि वह विकलांगता पर भी क्लेम दिलवा देगा।

किश्त-दर-किश्त हड़पी रकम

क्लेम दिलाने के नाम पर आरोपी ने पीड़ित से 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की। झांसे में आकर चैतन्य ने अप्रैल 2025: 2.50 लाख रुपये नगद दिए। मई 2025 में 1.50 लाख रुपये नगद दिए। जुलाई 2025 में 1 लाख रुपये नगद और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 44,075 रुपये दिए। पीड़ित ने कुल 5,44,075 रुपये आरोपी को सौंप दिए। यह लेनदेन पीड़ित की दुकान और घर पर हुआ, जिसके गवाह उनके परिजन और दोस्त भी हैं।

वादे से मुकरा और घर छोड़कर भागा

जब क्लेम की राशि नहीं मिली, तो पीड़ित ने अपने पैसे वापस मांगे। आरोपी ने 10 अगस्त 2025 तक पैसे लौटाने का वादा किया था, लेकिन उसके बाद वह मोबाइल बंद कर फरार हो गया। परिजनों से पूछताछ करने पर पता चला कि वह घर छोड़कर कहीं चला गया है।

घर में पथराव, परिवार को धमकाया

नवभारत, जबलपुर। माढोताल थाना अंतर्गत शारदा नगर में बदमाशों ने एक घर में पथराव कर परिवार को धमकाया। पुलिस ने रिपोर्ट पर तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है । पुलिस के मुताबिक शारदा नगर नर्मदा पब्लिक स्कूल के पास में रहने वाले ऋषि यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वे सुपरवाइजर हैं। उसे गोपी नामदेव ने पहले फोन कर अश्लील गालियां दीं। जब ऋषि ने इसका विरोध किया, तो कुछ देर बाद आरोपी अपने दो साथियों के साथ ऋषि के चुंगीनाका स्थित पुराने मकान पर पहुँच गया वहां आरोपियों ने जमकर पत्थरबाजी की और मकान के गेट पर लात मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

चकाजाम-प्रदर्शन से घंटों लगा जाम, अध्यक्ष समेत दो पर एफआईआर

एंबुलेंस, स्कूल बसें भी फंसीं, बीमार महिला को लेकर जा रहे युवक को प्रदर्शनकारियों ने रोका था

नवभारत, जबलपुर। तिलवारा थाना अंतर्गत ग्राम सिवनीटोला स्थित टोल प्लाजा पर कल हुए धरना-प्रदर्शन के कारण घंटों लगे जाम ने राहगीरों की मुश्किलें बढ़ा दीं थीं एम्बुलेंस, स्कूल बसें भी जाम में फंस गई थी। इस मामले में अब पुलिस ने रास्ता बाधित करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बहुजन चेतना विकास मोर्चा के अध्यक्ष समेत अन्य को आरोपी बनाया गया है ।

पुलिस के मुताबिक दुर्गेश यादव (24) ने बताया कि 24 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे वह अपनी बीमार मामी आशा यादव को सुखसागर मेडिकल अस्पताल से इलाज कराकर वापस मनेरी छोड़ने जा रहा था। जैसे ही वह सिवनीटोला टोल प्लाजा पहुंचा, वहां बहुजन चेतना विकास मोर्चा के अध्यक्ष राधेश्याम मेहरा, जीतू तेकाम और उनके साथियों द्वारा राज्यमार्ग पर धरना दिया जा रहा था। प्रदर्शनकारियों ने बीच सड़क पर अपने वाहन अड़ाकर रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया था। इस कारण चरगवां-तिलवारा रोड पर 2 से 3 घंटे तक लंबा जाम लगा रहा। जाम में दुर्गेश की कार के अलावा स्कूली बसें और एंबुलेंस भी फंसी रहीं। पीड़ित ने बार-बार गुहार लगाई कि उसकी मामी की हालत गंभीर है, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने रास्ता नहीं खोला। घटना के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा बनाए गए मोबाइल वीडियो में राधेश्याम मेहरा और उनके साथी साफ तौर पर रास्ता रोकते नजर आ रहे हैं। तिलवारा पुलिस ने दुर्गेश यादव की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ आम रास्ता अवरुद्ध करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज कर ली है।

युवती ने रादुविवि में लहराया हथियार, मचा हड़कंप

अफरा-तफरी के बीच पहुंची सिविल लाइन पुलिस

नवभारत, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा के पास संदिग्ध अवस्था में हथियार लहराते हुए नजर आई। युवती की हरकतों से मौके पर अफरा-तफरी के साथ दहशत व्याप्त हो गई । मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी लेकिन युवती पुलिस को मौके पर मिली थी या नहीं इस पर देर रात तक रहस्य बना हुआ था।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार दोपहर एक युवती पहुंची इसके बाद वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा के पास पहुंचने के बाद उसने अचानक बकानुमा हथियार निकाला और सीधे लहरा दिया । युवती ने किन परिस्थितियों में हथियार निकाला इसका फिलहाल पता नहीं चल सक है। बताया जाता है कि मामला रादुविवि कुलगुरु प्रो. डॉ. राजेश कुमार वर्मा तक पहुंचा था जिसके बाद मामले की सूचना सिविल लाइन पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस पहुंची थी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है

कुलगुरू बोले पुलिस ले गई, टीआई ने कहा ओझल हो गई

युवती द्वारा हथियार निकालने के मामले में कुलगुरू और थाना प्रभारी के अलग-अलग बयान थे । रादुविवि कुलगुरु प्रो. डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक युवती प्रतिमा के पास कटर लेकर असामान्य व्यवहार कर रही है। प्रथम दृष्टया युवती मानसिक रूप से बीमार प्रतीत हो रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस को सूचित किया गया। कुलगुरु के अनुसार महिला पुलिस युवती को अपने साथ ले गई है। वहीं इस पूरे घटनाक्रम पर सिविल लाइन थाना प्रभारी अनूप कुमार नामदेव का बयान कुलगुरु के बयान से अलग है। थाना प्रभारी ने बताया कि युवती द्वारा हथियार निकालने की सूचना मिली हुई थी, जिसके बाद तत्काल पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया गया। जब तक टीम वहां पहुंची, युवती वहां से जा चुकी थी।

रांझी संभाग के वार्डों का औचक निरीक्षण करने पहुंचे निगमायुक्त

व्यवस्थाओं का जायजा लेकर दिए निर्देश

नवभारत,जबलपुर। शहर की स्वच्छता और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार सुबह तड़के ही रांझी संभाग के विभिन्न वार्डों में निरीक्षण किया। उन्होंने गोकुलपुर तालाब, साकेत नगर, शोभापुर और उदय नगर जैसे क्षेत्रों का सघन दौरा कर सफाई व्यवस्था और चल रहे विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सफाई मित्रों की उपस्थिति जांची और नालियों की सफाई व कचरा कलेक्शन के कार्य को बारीकी से देखा। इस मौके पर उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थानों और रिहायशी इलाकों में गंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं गोकुलपुर तालाब के आसपास की स्वच्छता को लेकर विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

जनता से किया सीधा संवाद- सफाई के साथ-साथ आयुक्त ने क्षेत्र में हो रहे अधोसंरचना विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उदय नगर और साकेत नगर में निर्माणाधीन सड़कों और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के साथ समय सीमा में पूरे हों। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्थानीय नागरिकों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित वार्डों के अधिकारियों को मौके पर ही शिकायतों के त्वरित निराकरण कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर आयुक्त अरविंद शाह, कमलेश श्रीवास्तव, संभव अयाची, अंकिता बर्मन, अभिनव मिश्रा, अर्जुन यादव, नरेश शर्मा अनिल मिश्रा, अनिल विश्वकर्मा, सौरभ चौकसे, प्रियंका आदि उपस्थित रहे।